

प्रेषक,

सुनीलश्री पांथरी,  
उप सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून: दिनांक 27 अगस्त, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय बसन्तपुर, जनपद पौड़ी गढ़वाल के आवासीय भवनों के निर्माण की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-75/3/एस0ए0डी0/46/2002/18313 दिनांक 06-06-2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पौड़ी गढ़वाल में राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय बसन्तपुर के अवशेष निर्माण कार्यों को पूर्ण करने हेतु संस्तुत लागत रु० 45.72 लाख को टी0ए0सी0 के परीक्षणोपरान्त रु० 44.54 लाख की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति एवं व्यय करने हेतु रु० 44,54,000.00 (रु० चौब्यालीस लाख चौब्यन हजार मात्र) की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर लें।

3- प्रत्येक कार्य पर धनराशि का व्यय सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर किया जायेगा तथा कार्य की अनुमोदित लागत तक ही रखा जायेगा। उपरोक्त कार्यों की मानिट्रिंग करते हुये कार्य समयबद्ध ढंग से इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाये।

4- उक्त धनराशि कोषागार से तत्काल आहरित की जायेगी तथा निर्माण इकाई अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, पौड़ी को उपलब्ध करायी जायेगी। कार्य प्रारम्भ से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाये। स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा। अतिरिक्त धनराशि की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा। स्वीकृति सम्बन्धी मूल शासनादेश की सभी शर्तें यथावत् रहेंगी।

5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को उपलब्ध कराई जायेगी।

6- स्वीकृत धनराशि के आहरण से सम्बन्धित हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

- 8- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक वित्त विभाग के शासनादेश सं०-267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च 2008 द्वारा निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 9- अवमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण व्यय 31.03.2009 से पूर्व सुनिश्चित कर इसका वित्तीय भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।
- 10- उक्त व्यय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय 02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें, 110-अस्पताल तथा औषधालय 07- एलोपैथिक चिकित्सालयों का निर्माण -आयोजनागत-00-24- वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 11- पूर्ण लागत के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण न होने के सम्वन्ध में उत्तरदायित्व निर्धारण करना सुनिश्चित किया जाय।
- 12- यह आदेश वित्त विभाग के अशा० सं०-184(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008 दिनांक 26.08.2008 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुनीलश्री पांथरी)  
उप सचिव

संख्या-781(1)/XXVIII-5-2007-123/2003 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊं मण्डल उत्तराखण्ड।
- 4- स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
- 5- जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
- 6- मुख्य चिकित्साधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
- 7- वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 8- मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
- 9- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री।
- 10- अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, पौड़ी।
- 11- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
- 12- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु०-3/नियोजन विभाग।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनीलश्री पांथरी)  
39 सचिव